स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, खण्ड–तीन

प्रमुख नाटककार एवं उनके नाटक

(वस्तुनिष्ठ)

– डॉ॰ मुन्ना साह

नाटककार		नाटक
1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	–	विद्यासागर, भारतदुर्दशा, नील देवी, भारत जननी
2. राधाकृष्ण दास	–	धर्मालाप, दुःखिनी बाला
3. लक्ष्मी नारायण मिश्र	–	संन्यासी, राक्षस का मन्दिर, राजयोग, आधी रात
4. उदयशंकर भट्ट	–	सागर–विजय, विद्रोहिणी अम्बा, कमला
5. हरिकृष्ण प्रेमी	–	पाताल विजय, शिवा साधना, शतरंज के खिलाड़ी
6. उपेन्द्रनाथ अश्क	–	छठा बेटा, अंजो दीदी, भंवर, लौटता हुआ दिन
7. मोहन राकेश	–	आषाढ़ का एक दिन, लहरों का राजहंस, आधे अधूरे
8. विष्णु प्रभाकर	–	टूटते परिवेश, डॉक्टर, वन्दिनी, सत्ता के आर–पार
9. भीष्म साहनी	–	हानूश, माधवी, कबीरा खड़ा बाजार में
10. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	–	बकरी, लड़ाई, अब गरीबी हटाओ
11. सुरेन्द्र वर्मा	–	सेतुबंध, नायक खलनायक विदूषक, आठवाँ सर्ग
12. मुद्राराक्षस	–	मरजीवा, तेन्दुआ, संतोला
13. मन्नू भण्डारी	–	बिना दीवारों का घर, महाभोज
14. मृणाल पाण्डेय	–	आदमी जो मछुआरा नहीं था

---------- . . . ----------